डायमण्ड कॉमिक्स

D-167 10.00

प्राण

चाचा चौधरी अमरीका में

Vinod Yadav

चाचा चौधरी अमरीका में

लो भई साबू ! अमरीका के राजदूत चले आ रहे हैं. लगता है वह भी किसी मुसीबत में फंस गए हैं. यहां जो भी आता है, समस्या ले कर ही आता है.

चाचाजी, हम कोई उलझन लेकर नहीं आया, एक खुशखबरी ले कर आया हूं. कई सालों से आपने जो जनता की सेवा की है उससे खुश हो कर अमरीकी सरकार ने आपको अपने यहां आने का निमंत्रण भेजा है. आप चलिए और कुछ दिन हमारे मेहमान बन कर रहिए.

लेकिन जनाब, मेरे साथ एक मुसीबत है.

वह क्या ?

मेरे साथ मेरा साबू भी चलेगा. क्या आपके पास ऐसा कोई हवाई जहाज है जिसमें बैठ कर वह जा सके ?

अरे, साबू अगर हवाई जहाज में नहीं बैठ सकता, तो उसकी छत पर बैठ जाएगा. हमारे जंबो जैट के इंजन इतने पावरफुल हैं कि उसे उठा कर ले जाएं.

तो फिर एक मिनिट ठहरिए. मैं अंदर से अपनी बीवी की इजाजत ले कर आता हूं.

अरी भागवान ! मैं कुछ दिनों के लिए अमरीका जा रहा हूं.

अरे मैं एक ही बीवी से इतना परेशान हूं. दूसरी ला कर क्या मैंने मुसीबत खड़ी करनी है?

एक शर्त पर जा सकते हो कि वहां से कोई मेम ले कर नहीं आओगे.

और चाचा चौधरी और साबू अमरीका के सफर को रवाना हो गए.

वाह! क्या मजेदार सफर है.

जहाज के अंदर.

चाचीजी, आपने पानी मांगा था?

हां, हां-- लाओ! बड़ी प्यास लगी है.

तभी एक रहस्यमयी व्यक्ति अपनी सीट से उठता है और...

खबरदार! अपनी जगह से कोई भी हिले डुले नहीं. मैं जहाज हाइजैक कर रहा हूं.

माई गॉड! अब क्या होगा?

अमरीका में मेरा बच्चा बीमार है. मैं यदि वहां नहीं पहुंची तो मर जाएगा.

खामोश!

चाचा चौधरी बिजली की तरह उठता है और ...

धांय

ओह, पानी!

हाय, मैं मरा!

मेरी खोपड़ी!

ताड़!

इसे उठा कर रस्सी से बांध दो. हवाई अड्डे पर पुलिस के हवाले कर देंगे.

चौधरी! आप कितना बहादुर है!

चाचाजी क्या हुआ? अंदर बड़े पटाखे छूट रहे हैं?

कुछ नहीं माधू! एक सज्जन को खोपड़ी में खुजली हो रही थी, भीमसेनी लट्ठ से मैंने मिटा दी.

© PRAN'S FEATURES

जहाज के अंदर...
हैलो-हैलो! जहाज जल्दी ही हवाई अड्डे पर उतर रहा है.
हवाई अड्डे पर उतर कर हाईजैकर को पुलिस के हवाले कर दिया जाता है.
चलो।
राजदूत साहब! ये लोग ऐसे क्यों हंस रहे हैं?
आपका हुलिया देख कर. आप कपड़े बदल लें तो बेहतर होगा.
मैं कपड़े एक शर्त पर बदलूंगा. मैं अपनी पगड़ी और भीमसैनी लट्ठ यहीं रखूंगा.
ठीक है.

और चाचा चौधरी ने एअरपोर्ट पर ही अपने कपड़े बदल लिए.
वाह! आप एकदम फिल्मी हीरो लगता है. अमरीका की सारी लेडीज कहीं आप पर फिदा न हो जाए.
धीरे बोलो! यदि चाची को पता चल गया तो चाचा घर में घुस नहीं सकेगा.
चाचाजी, होटल को जाने के लिए कार हाज़िर है.
लेकिन मेरा साबू तो इसमें नहीं बैठ सकता.
उसके लिए यह बड़ी वैन लाए हैं. साबू इसमें आराम से बैठ जाएगा.
चल भई साबू! तू इस कनस्तर में बैठ जा.
अरे राजदूत साहब! कार धीरे चलाइए, कोई एक्सीडेंट हो जाएगा.
चाचाजी यह अमरीका है. हाइवे पर अगर सौ मील की रफ्तार से धीरे चलाते हैं तो एक्सीडेंट हो जाता है.

चाचा चौधरी की कार रुक जाती है।
सड़क ब्लाक कर दी गई है.
हमको खबर मिला है कि हिंदुस्तान का एक महाराजा अपने खजाने के साथ इस कार में सफर कर रहा है. खजाना हमारे हवाले कर दो, नहीं तो...
अरे भाई परेशान क्यों करते हो? तुम्हें मेरा खजाना चाहिए न? वह पीछे वैन में रखा है.
वाह! इतनी बड़ी वैन?
जरूर खजाना भी बड़ा होगा.
जल्दी से सांकल खोलो और निकालो हीरे जवाहरात।
खुल गई!
जय बजरंग बली!
माई गॉड! भागो!
हा-- हा--! बुजदिल भाग गए!

और चाचा चौधरी व साबू राजदूत के साथ फिर चल पड़े.

न्यूयार्क में.

चाचाजी, यह रहा आपका होटल जहां आपको ठहरना है. आपका कमरा पैंसठवीं मंजिल पर है.

बाप रे! उस मंजिल तक सीढ़ियां चढ़ते चढ़ते तो मेरा दम निकल जाएगा.

घबराइए नहीं, वहां तक ले जाने के लिए लिफ्ट लगी है.

LIFT

EXPRESS

ठीक है, मैं उस लिफ्ट से चला जाता हूं.

अरे! उस से नहीं, हम एक्सप्रेस से जाएंगे.

एक्सप्रेस?

हां. साठ मंजिल से ऊपर जाने के लिए एक्सप्रेस लिफ्ट है जो बीच की मंजिलें छोड़ती हुई निकल जाती है.

कमाल है, लिफ्ट न हुई फ्रंटीयर मेल हो गई जो रास्ते के स्टेशन छोड़ती हुई चली जाती है.

आइए, लिफ्ट आ गई.

EXPRESS

ऊपर पहुंच कर

यह रहा आपका कमरा.

लेकिन साबू कहां है?

उसे होटल के पीछे बगीचे में बिठा दिया है.

चाचाजी, मैं यहां खुली हवा में ठीक हूं.

© PRAN'S FEATURES

?
कुछ देर के बाद.
निकाल दो.
हमने दांत को पकड़ लिया है लेकिन पूरा दम लगाने पर भी यह उखड़ नहीं रहा. जरा हमारा मदद करो.
अभी लो.
जोर लगाओ!
ठक!
निकल आया!
चलो, हमारा मेहनत सफल हुआ.
खाक सफल हुआ! जो दांत निकलना था वह ज्यों का त्यों अपनी जगह पर बरकरार है. तुमने उसके साथवाला दांत निकाला है.

ओह! हमारा सारा मेहनत बेकार गया? ऐसा आज तक नहीं हुआ.
घबराओ मत चौधरी। हम एक बार फिर कोशिश करता है.
खींचो
जोर लगाओ
हई इशा
निकल आया!
ओह!
मारे गए।

चलो दाँत निकल ही गया. पर पता नहीं डाक्टर फीस लिए बिना ही क्यों चला गया ?
थोड़ी देर बाद
चाचाजी, आपको न्यूयार्क के पुलिस कमिश्नर ने बुलाया है.
क्यों भाई, मैंने ऐसा कौन सा जुर्म किया है ?
किसी जुर्म के लिए नहीं, बल्कि आप को इज्जत देने के लिए बुलाया है. वह जानना चाहते हैं कि आप में ऐसा कौन सा गुण है जिससे आपने इंडिया के सारे चोर-डाकुओं को मात दे दी है.
अच्छी बात है. चलो भाई.
और चाचा चौधरी कार मे बैठ कर चल दिया. पीछे पीछे साबू भी चला.
पुलिस कमिश्नर के दफ्तर के पास कार रुकी.
11

ओह!
ताड़!
हाय!
बचाओ!
चाचाजी, कहो तो इन्हें मसल दूं?
पुलिस कमिश्नर बाहर आता है.
रुको।
चौधरी! आप यह क्या करता है?
ये आप पर हमला करने नहीं आया था. ये सब हमारे खुफिया विभाग का एजेंट है. आपका सुरक्षा के लिए भेजा था. यहाँ बदमाश बहुत घूमता है. कोई आपको अगवा कर के ले गया तो हमसे जवाब तलब होगा.
ओह, यह बात है? माफ करना भाई. गलती हो गई.
एक फायदा भी हुआ. मेरा एक दांत खराब था. अमरीका के सारे डाक्टर को दिखाया पर इस कमबख्त को कोई निकाल न सका आपका एक हाथ पड़ते ही यह बाहर आ गया
हा-हा। निकालो मेरी फीस.

आपका तारीफ सुना ही था, आज खुद देख लिया. आइए, अंदर चलें.
चाचा चौधरी पुलिस कमिश्नर से गप शप मार रहे हैं.
चाचाजी, अमरीका में डकैती, अपहरण, मारधाड़ और हिंसा की वारदातें बढ़ता जा रहा है. दिन दहाड़े हत्यारा गोली चला कर भाग जाता है, शरीफ लोग मुसीबत में हैं. आप अपने देश में समाज-विरोधी तत्वों से कैसे निपटता है?
मैं सारी समस्याएं मनोविज्ञान और दूरदर्शिता से हल करता हूँ. और अपराधी में मनोबल नहीं होता. इस लिए वे जल्दी घबरा जाते हैं. बस यहीं आप उन्हें पकड़ सकते हैं. जहां ताकत की ज़रूरत हो, वहां साबू काम आता है.
चौधरी, यह साबू आपको कहां मिल गया? हमने तो आज तक इतना बड़ा आदमी नहीं देखा?
साबू पृथ्वी का वासी नहीं, ज्यूपिटर ग्रह से आया है. बस इसने एक बार चाची के हाथ के परांठे क्या खाए यहीं का हो कर रह गया. अब यह हमेशा हमारे यहां ही रहता है, मेरे साथ.
थोड़ी देर बाद चाचा चौधरी विदा लेता है
बाय! बाय!
चल भाई साबू, चलें!
तभी.
चाचा साहब! जरा रुको!

हम हालिवुड की फिल्म प्रोड्यूसर जॉन सिम्पसन हैं. यह हमारा सूबी 'हेलन ऑफ ट्रॉय' का हिरोइन मिस लिली हैं. हम एक रोल करने का एक लाख डालर देता हैं.

मिस्टर जॉन! अगर तुम एक लाख डालर ने भी दो तो भी हम लिली के साथ काम करने को तैयार है.

नो.. नो! चाचा साहब, आप गलत समझा. आपका नहीं. हमें साबू का जरूरत है. वाह! क्या फिगर है!

भाई साबू! अमरीका में तो तुम्हारी कद्र हमारे से भी ज्यादा हो गई है!

चाचा साहब! आप हमारे साथ फिल्म का शूटिंग देखने चल सकता है.

चाचा चौधरी और साबू शूटिंग के लिए चल दिए.

शूटिंग शुरू होती है.

...ये रोमन सोल्जर हेलेन ऑफ ट्राय को उठाने आएगा. साबू! तुमको इसका रक्षा करना है. बोलो, तैयार है?

बेफिक्र रहो, डायरेक्टर साहब!

वन, टू, थ्री! एक्शन!

बचाओ! बचाओ!

जय बजरंग बली!

ओह! यह घूंसा है या लोहे का हथौड़ा!

यह तो रीयल फाइट कर रहा है.

हाय! मेरी टांग!

बचाओ! बचाओ!

चौधरी! अपना साबू ले जाओ. यह तो रीयल फाइट पर उतर आया है. मेरे तीन सौ पहलवानों की हड्डियां तोड़ डालीं.

डायरेक्टर साहब! साबू असली घी खाता है और असली फाइट करता है.

© PRAN'S FEATURES

अमरीका में रहते हुए जब चाचा चौधरी को काफी दिन हो गए तो एक दिन उन्होंने अपने राजदूत को बुलवाया.

हमें अपने वतन की बहुत याद आ रही है. अब हम घर लौटना चाहते हैं.

हम अभी हैरोप्लेन का इंतजाम करता है.

न-न-! आती बार हम हवाई जहाज पर आए थे. अब कुछ समुद्र के नजारे भी देख लें. आप समुद्र यात्रा का प्रबंध करें.

अच्छी बात है. आप तैयारी करो.

चाचा चौधरी व साबू बंदरगाह की ओर रवाना हुए.

और उन्हें ले कर जहाज हिंदुस्तान को रवाना हो गया.

साबू, होशियार रहना. ऐसा न हो कि झटका लगे और तू समुद्र में पड़ा हो.

फिक्र न करो चाचाजी, मुझे तैरना आता है.

उसी समय.

ओह! यह जहाज क्यों डगमगा रहा है?

कप्तान! जहाज फटके क्यों खा रहा है?

पता नहीं, जहाज मेरे काबू से बाहर होता जा रहा है.

वह देखो! एक बहुत बड़ी व्हेल जहाज को टक्करें मार रही है.

व्हेल मछली! मारे गए! यह तो टक्करें मार मार कर जहाज को उलट देगी. हम सब मारे जाएंगे.

घबराओ मत कप्तान! मेरे पास एक ऐसा आदमी है जो व्हेल से टकरा सकता है.

साबू, चलो!

और साबू समुद्र में कूद पड़ा.

इसका सिर पानी से ऊपर है. इसे अभी दबोच लेना चाहिए.
साबू एक दम व्हेल का मुँह पकड़ता है और पूरी ताकत लगा कर चीरता है.
जय बजरंग बली! तोड़ दुश्मन की नली!
व्हेल घायल हो जाती है.
चाचाजी! वह भाग रही है. क्या पीछा करूँ?
नहीं, उसे जाने दो. तुम लौट आओ. खतरा टल गया है.
शाबाश साबू!
लो चौधरी! आपका हिंदुस्तान आ गया. बोरिया बिस्तरा बाँधो.
© PRAN'S FEATURES

लो चाची! तुम याद कर रही थी, चाचाजी आ गए.

यह कैसा हुलिया बना रखा है इन्होंने.

चाची, अमरीका है ही ऐसा देश. जो वहां जाता है, जोकर बनकर ही लौटता है.

लो भागवान! देखो, तुम्हारे लिए मैं कितने कपड़े लाया हूं. यह रही पैंटमी, यह बेलबॉटम, शर्ट और स्कर्ट, यह फुल पैंट और यह...

इसे जरा पहन कर तो दिखाओ.

हाय राम! मुझे तो शर्म आती है.

शर्म! अरे अब मैं साहब बन गया तो तुम भी जल्दी से मेम बन जाओ.

अच्छा! ऐसी बात है? तो लाओ फिर.

लो मैंने बदल लिए.
अरे जरा बाहर आ कर तो दिखाओ.
लो! कैसी लगती हूं?
वाह! तुम तो फिल्म-एक्ट्रेस लगती हो. लेकिन कमीज के बटन कहां गए?
धत तेरे की! तुमने उल्टी कमीज पहन ली.
मुझे क्या पता? मैंने समझा ब्लाउज के बटन पीछे होते हैं तो इसके भी पीछे जाएंगे.
मैं बदल कर आती हूं.
अरे दीपू! अमरीकनों ने यह रिकार्ड प्लेयर उपहार में दिया है. आओ, जरा संगीत सुनें.
हिं..न
अरे, यह कैसा संगीत है? दीपू, यह रिकार्ड मेरे मजे में नहीं आ रहा. तुम्हें?
हिं-SS
समझ तो मुझे भी नहीं आ रहा, पर यह कोई ऊंचा संगीत है.
मेरे ख्याल में यह अमरीकन सिम्फोनी या पॉप म्यूजिक है.
मुझे तो यह दादरा या ठुमरी लगता है.

परेशान मत होइए. मैं इन संगीतकारों को ले कर आई हूं. यह बताएंगे कि यह कौनसा गीत बज रहा है.

वाह! वाह!.. क्या राग मल्हार गाया है.

कमबख्त! इतना भी नहीं पता कि यह राग मल्हार नहीं, राग भैरवी है.

तुम क्या मुझे अनाड़ी समझते हो? जानते हो मैंने संगीताचार्य की पदवी हासिल की है. यह राग मल्हार ही है.

मैं कोई मामूली गायक नहीं. सारे संगीतकार मुझे गुरू मानते हैं. यह राग भैरवी ही है.

हैलो, अमरीकन दूतावास! यहां तो तुम्हारे रिकार्ड पर अच्छा खासा हंगामा हो गया है. कृपया किसी को भेजिए जो यह बताए कि यह रिकार्ड आखिर है क्या बला?

अमरीकन दूतावास से आदमी आता है.

हिं हिं

हा-हा!... यह कोई संगीत नहीं, घोड़ा हिनहिना रहा है.

हें??

लेकिन रिकार्ड में घोड़े की हिनहिनाहट क्योंभरी गई?

फिल्म के लिए. जब किसी घोड़े को फिल्म में दिखाना होता है और वह हिनहिनाने के मूड में नहीं होता तो उसे सामने खड़ा करके पर्दे के पीछे से यह रिकार्ड बजा देते हैं और शूटिंग हो जाती है.

PRAN'S FEATURES

उड़न-तश्तरी

शहर के बाहर एक अजीब उड़न तश्तरी को खड़े पाया तो लोग उसे देखने के लिए उमड़ पड़े.

अंदर घुस कर इसे देखना चाहिए.

उड़न तश्तरी के अंदर.

अरे! यहां तो चारों तरफ अंधेरा है. आगे बढ़ कर जरा देखना चाहिए.

और वहां ज्योंही आगे बढ़ा कि एक सुपर बीम निकली और...

ओह! मैं मरा!

भागो!

भागो!

कई मारे गए. बाकी जो बचे थे वे बाहर को भाग निकले.

पुलिस को खबर करनी चाहिए.

जरा ठहरो!

हैं? क्या बात है, तुम घबराए हुए क्यों हो?

उस उड़न तश्तरी के अंदर एक अजीब व्यक्ति बैठा है. उसने कई लोगों को मार दिया है.

ऐसी बात है. मैं अभी उसे गोली मार कर खत्म कर देता हूं.

उड़न तश्तरी के अंदर...

अरे, यहां तो चारों तरफ अंधेरा है। जरा आगे बढ़ कर देखना चाहिए.

और वह सिपाही भी आगे बढ़ते ही सुपर-बीम का शिकार हो गया.

ओह! बचाओ!

वही आदमी भागता-भागता चाचाजी के पास आया.

चाचा-चौधरी! बचाओ! कई लोग मारे गए. अब और नहीं मरने चाहिएं.

उस उडन तश्तरी में एक अजीब व्यक्ति बैठा है जो कई लोगों को मार चुका है.

फिक्र मत करो.

चाचा चौधरी उड़न तश्तरी की तरफ जाता है.

हर आदमी की कोई न कोई कमजोरी होती है. इसमें बैठे व्यक्ति की भी कोई न कोई कमजोरी जरूर होगी.

उड़न तश्तरी के अंदर

ओह! यहां तो अंधेरा ही अंधेरा है.

मेरी उड़न तश्तरी में क्यों आए हो? यहां जो भी आता है मैं उसे जिंदा बाहर नहीं जाने देता. इसलिए अब मरने के लिए तैयार होजा!

अगर मरना ही है, तो मरने से पहले तुम्हारी शक्ल तो देख लूं.

चाचा चौधरी माचिस जलाते हैं.

ओह! यह क्या किया? रोशनी से मेरे सिर में दर्द शुरू हो जाता है.

अच्छा, तो इसी वजह से तुमने अंधेरा किया हुआ है? यही है तुम्हारी कमजोरी. अब अपनी पगड़ी को आग लगा कर और ज्यादा रोशनी करता हूं.

ओह! बंद करो यह रोशनी वरना मैं मर जाऊंगा.

एक शर्त पर यह आग बुझा सकता हूं कि तुम मेरे मारे मरे हुए आदमी जिंदा कर दो और यहां से चले जाओ.

मंजूर है.

एक उल्टी सुपरबीम — जितने मरे हुए शरीर पड़े थे वे फिर से जिंदा हो हो कर खड़े होने लगे.

वाह! कमाल है!

और वह उड़न तश्तरी अंतरिक्ष की ओर चली गई.

बाई,बाई!

टाटा!

हिप-हिप हिप्पी

एक उच्च कस्टम अधिकारी जीप पर ...

क्यों भई, चाचा चौधरी यहीं रहते हैं क्या ?

जी हां.

अंदर ...

चाचाजी ! हमें आपकी मदद की जरूरत है.

कहिए मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं ?

विदेशों से अनेक हिप्पी युवक हमारे देश में आते हैं. इनमें स्वीडन का एक हिप्पी माईकेल हमारे देश में कई चीजें स्मगल करता है पर वह हमारे हाथ नहीं लगती.

माईकेल के सामान की तलाशी क्यों नहीं लेते ?

हमने कई बार उसकी तलाशी ली है.

यही नहीं, अनेक बार उसके सारे कपड़े उतार कर देख चुके हैं. फिर भी वह मुस्कराता हुआ हमारी आंखों में धूल झोंक कर निकल जाता है.

मामला सचमुच बड़ा पेचीदा है. मुझे आपके साथ चलना पड़ेगा.
लाना भागवान, मेरा भीमसैनी लट्ठ.
चलिए, देखता हूं कैसे माईकेल कस्टम अधिकारियों की आंख से बच कर निकलता है.
चाचा चौधरी हवाई अड्डे पर...
यह रहा माईकेल!
इसे ले जा कर इसकी तलाशी लो.
चलो माइकेल उस कमरे में तुम्हारी तलाशी ली जाएगी.
आप पहले भी कई बार मेरी तलाशी ले चुके हैं.
तुम्हारे बैग में तो कोई अवैध सामान नहीं मिला, चलो अब अपने कपड़े उतारो!
आप मुझे परेशान क्यों कर रहे हैं?
लो, देख लो! कपड़े भी उतार दिए, मैंने पहले ही कहा था कि मेरे पास कोई अवैध सामान नहीं.

चाचाजी, हमने इसकी अच्छी तरह तलाशी ले ली. इसके पास कोई स्मगल की चीज नहीं निकली.

माईकेल, तुम जा सकते हो.

धन्यवाद

माइकेल रुको! मुझे एक चीज और देखनी है.

अब क्या रह गया है? सारे कपड़े उतार कर तो देख लिए!

बस मुझे तो एक चीज ही देखनी है – तुम्हारे खूबसूरत घुंघराले बाल!

लीजिये, यह रहा स्मगल का माल! इसके घने बालों में कई सोने के बिस्कुट व बेशुमार घड़ियां छिपी हैं.

देखते ही देखते सोने के बिस्कुटों और घड़ियों का ढेर लग गया.

चाचाजी, अगर आप न आते तो माईकेल हमें आज भी चकमा दे जाता.

© PRAN'S FEATURES

पगड़ी का कमाल

चाचा चौधरी ने अपने व्यस्त जीवन से कुछ दिनों की छुट्टियां लीं और वह अंडमान - निकोबार द्वीपों में निकल गए.

अरे वाह! मुझे तो यहां का नारियल यानी बड़ा अच्छा लगा.

अरे चाचाजी, नारियल का पानी और गिरी काफी खा ली. कुछ नहाने धोने की भी फिक्र है? घर में तो आप बिना नहाए कुछ खाने पीने को नहीं देती. याद है न?

अरे दीपू, नहाने की क्या फिक्र करता है? इस द्वीप का यही तो फायदा है कि जिधर मुंह करके निकल जाओ, समुद्र आजाता है.

लो यह रहा हिन्द महासागर! जितना जी चाहे डुबकियां मारो.

दीपू फौरन कपड़े उतार कर समुद्र में कूद गया.

चाचाजी! आजाओ!

तुम नहाओ. तब तक मैं जरा अखबार देख लूं.

दीपू तैरते-तैरते गहरे समुद्र में पहुंच गया.

तभी अचानक एक भीमकाय समुद्री अष्टपद निकला उसने दीपू को जकड़ लिया.

बचाओ! चाचाजी बचाओ!!

चाचा ने दीपू को खतरे में देखा तो वो उसकी मदद को दौड़ा.

चाचा समुद्र में कूद पड़ा.

तुम अपनी जान जोखम में मत डालो. उस अष्टपद से आज तक कोई नहीं बच सका.

खतरों से खेलना ही मेरा जीवन बन गया है.

लगता है अष्टपद दीपू को ले कर समुद्र के नीचे डुबकी मार गया है. मुझे भी पानी के नीचे जाना चाहिए.

समुद्र के नीचे.
वह रहा अष्टपद!
अरे, यह क्या? मेरी तो पगड़ी ही खुल गई!
पानी के अंदर चाचा चौधरी की पगड़ी खुल जाती है और उसका एक सिरा अष्टपद की एक टांग से अचानक उलझ जाता है.
यह अच्छा हुआ कि अष्टपद मेरी पगड़ी में उलझ गया.
यह लो जिसे तुम खतरनाक अष्टपद कहते थे, मैं उसे पालतू बकरी की तरह बाँध लाया हूं.
बहुत खूब!
चाचा चौधरी, तुम तो कमाल दिखाते ही थे, आज तुम्हारी पगड़ी ने भी कमाल दिखा दिया. यह है कितनी लम्बी?
अजी किसी जमाने में मैं पूरे पचास गज की पगड़ी बांधता था परंतु आजकल महंगाई के कारण ये सिर्फ बीस गज की रह गई है.
PRAN'S FEATURES

फिल्मी-शूटिंग

चाचा चौधरी को एक बार फिल्म कम्पनी वाले बम्बई ले गए.

चौधरी, तुम मारधाड़ करने में बड़े निपुण हो, इसलिए मैंने तुम्हें अपनी फिल्म 'धूमधड़ाका' में रोल दिया है.

डायरेक्टर

ये एक्टर बदमाशों का पार्ट अदा कर रहे हैं. सीन में ये फिल्म की हीरोइन को उठा कर ले जाना चाहेंगे, तुम्हारा काम है हीरोइन को इन बदमाशों के चंगुल से बचाओ. अच्छा, अब जरा रिहर्सल हो जाए.

बचाओ! बचाओ!

हाय!

लाड़!

मैं मरा.

हाय! मार दिया! बचाओ! यह तो सचमुच मार रहा है!

कट! ... अरे चौधरी, तुम्हें सिर्फ एक्टिंग करनी है न कि सचमुच की मारधाड़!

अरे डायरेक्टर साहब, मैं ठहरा देहाती. मैं क्या जानूं एक्टिंग!

इसमें शक नहीं. बड़ी नैचुरल फाईट थी.

अच्छा! सब लोग आराम करो. शूटिंग आधे घंटे बाद शुरू होगी.

कुछ ही दूरी पर बम्बई के तीन मशहूर दादा यह दृश्य देख रहे होते हैं.

इस हीरोइन ने जो हार पहना है, वह एक लाख से कम का नहीं. किसी तरह उसे हथिया लें.

हम उस फिल्म में काम करने वालों के कपड़े पहन लें. सब हमें एक्टर समझ कर हीरोइन के पास जाने देंगे.

वाह!

दादा उन तीन एक्टरों को दबोच लेते हैं.

जल्दी कपड़े उतारो!

खामोश! आवाज नहीं!

आधे घंटे के बाद.

फिल्म की शूटिंग शुरू हो रही है. सब तैयार हो जाओ. ... स्टार्ट!

और वे तीनों दादा एक्टरों के भेष में ...

ओह! बचाओ!

छोड़ो यह हार!
ए! हार उतारने के लिए फिल्मी स्क्रिप्ट में नहीं लिखा,
डायरेक्टर
खामोश! जरा भी चूँ-चाँ की तो गोली से उड़ा दूंगा.
डायरेक्टर
तभी अपना पार्ट अदा करने चाचा चौधरी बीच में कूद पड़ता है.
जय बजरंग बली!
ताड़
हाय!
ताड़.
हाय
अरे, यह तो सचमुच के डाकू हैं!
हाय मेरी खोपड़ी!
ओह!
चौधरी तुमने आज हमें बचा लिया. मैं अपनी आगे की दस फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट भी तुम्हें देता हूं.
121
© PRAN'S FEATURES
34

कान न मरोड़ो
भागवान, मैं थोड़े दिनों के लिए गांव में अपने भाई धज्जू चौधरी से मिलने जा रहा हूं.
हमको किसके आसरे छोड़ कर जा रहे हो? तुमने दुनियाभर के चोर बदमाशों को दुश्मन बना रखा है. तुम्हारे पीछे वह हमारा क्या हाल करेंगे?
भागवान, फिक्र न करो. मेरे दो शागिर्द तुम्हारे साथ रहेंगे. टिंगू मास्टर यहीं है, साबू बाहर. दोनों तुम्हारा बाल भी बांका न होने देंगे.
जाने से पहले एक हिदायत दे दूं. और जो चाहे करना लेकिन इस मूर्ती का कान न मरोड़ना.
और चाचा चौधरी अपने भाई से मिलने गाँव को रवाना हो गए
34

पल्टू और रम्बू दो बदमाश योजना बनाते हैं.

पल्टू, चाचा चौधरी तो चला गया. चाची अकेली है. उसे लूटने का इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा.

लेकिन दरवाजे पर वह लम्बू जो बैठा है. उस पर तो गोली भी असर नहीं करती.

अरे उसकी फिक्र मत कर. हम उसकी नजर बचाकर पीछे की खिड़की से अंदर कूद जाएंगे. आओ, मेरे साथ.

पीछे की खिड़की से दोनों अंदर दाखिल होते हैं.

हैं ??? ... तुम कौन हो ??

साबू बचाओ!

लगता है चाची मुसीबत में है, पर मैं अंदर कैसे जाऊं ? ये खिड़की और दरवाजा मेरे लिए छोटे हैं.

वह लम्बू अंदर नहीं आ सकता. जल्दी से सारे जेवर उतार दो, नहीं तो मैं गोली चलाता हूं.

रुल्दू, मैंने सारे जेवर इकट्ठे कर लिए. आओ, अब नौ दो ग्यारह हो जाएं.
तभी उसका ध्यान मूर्ती की ओर गया.
रुल्दू, यह हमको पिस्तौल दिखाता है.
हा.. हा...! यह तो बेजान मूर्ती है. यह हमारा क्या बिगाड़ सकती है?
देखो, मैं इसका कान मरोड़ता हूं.
और कान मरोड़ते ही.
ओह, यह क्या?
टिंगू मास्टर दौड़ कर पिस्तौल उठा लेता है.
चाची, तुम अपने जेवर संभालो. मैं इन्हें पुलिस चौकी छोड़ कर आता हूं.

अपना मकान बनाओ

चाचाजी, आज आप अकेले कैसे बैठे हैं ? न साबू दिखाई देता है न चाची .

अरे भाई रुल्दू ! यह परमिट कोटे का जमाना है. साबू राशन की लाईन मे लगा है और चाची मिट्टी के तेल की .

अरे चाचाजी, आपने भी परमिट कोटे का क्या याद कराया . मैंने मकान बनाने के लिए ईंटों के परमिट के लिए छह महीने से दरख्वात दे रखी है, पर सुनवाई नहीं हुई. कोई तरकीब बताइए.

अगर तुम्हें जल्दी ईंटें चाहिएं तो अपने प्लाट पर जनता को इकट्ठा करो और किसी बेसुरी धुन में राग अलापना शुरू कर दो . पर देखो, सिर पर हेलमेट जरूर लगा लेना .

अच्छा चाचाजी, अब मैं चलता हूं .

राग अलापने और ईंटों का क्या ताल्लुक? लेकिन जब चाचा चौधरी ने कहा है तो दोनो में कुछ न कुछ मेल तो होगा ही. वह किसी को गलत सलाह नहीं देते.
अपने प्लाट पर पहुंच कर
चाचाजी ने कहा था हेलमेट जरूर लगा लेना. सो पहले यही लगा लूं.
एक फैक्टरी में छुट्टी हुई
भाइयो, जरा ठहरो! मैं आपको बढ़िया संगीत सुनाऊंगा. ऐसा जैसा तानसेन ने भी न गाया हो.
थोड़ी देर ठहर जाते हैं.
कोई बहुत बड़ा गायक लगता है.
गाना शुरू होता है.
आ - रे -
गा - आ -
पहलवान
अरे, यह कोई गाना है? यह तो हमारे कानों के परदे फाड़ रहा है.
इससे अच्छा तो गधे रेंक लेते हैं.

इसने हमारा समय बर्बाद किया!

मेरे सिर में दर्द कर दिया.

कोई बेवकूफ है.

मारो इसे!

ईंटें मारो इसे!

और मारो!

और मारो ईंटें ताकि फिर यह किसी का समय नष्ट न कर सके.

बापरे! इतनी सारी ईंटें!

दूसरे दिन

चाचाजी! आपने तो कमाल कर दिया. मेरे प्लाट पर तो बिना परमिट के ही सचमुच काफी ईंटें इकट्ठी हो गई हैं.

अरे मैंने तो मजाक किया था.

लेकिन आपके मजाक से ही मेरे पास इतनी ईंटें आ गई हैं कि तीन मंजिला मकान बन जाए.

हा-हा!

© PRAN'S FEATURES

अपनी अपनी किस्मत
चाचाज़ी, यह दुनिया क्या है?
अरे साबू, तू भी अजीब सवाल पूछता है.
दुनियां एक गोरखधंधा है. जिसने इसे जितना जानने की कोशिश की, इसमें उतना उलझ गया. तू इन दार्शनिक उलझनों में मत फंस. खा, पी और मस्त रह.
तभी.
चाचाजी, हमें ठग लिया.
धोखा!
फरेब!
अरे भई, क्या हुआ?
फुटपाथ पर एक ठग ज्योतिषी बना बैठा है. मुझसे उसने पांच रुपए लिए और कहा- तू लखपति बनने वाला है, जा लाटरी के टिकिट खरीद ले. मैंने पांच सौ टिकिट खरीदे, लेकिन इनाम फिर भी नहीं निकला.

मुझसे उसने पांच रुपए लिए और कहा कि मैं मुकदमा जीत जाऊंगा लेकिन मैं मुकदमा हार गया.

मुझसे उसने कहा था कि तेरी चार शादियां होंगी खुशी खुशी जब यह भविष्यवाणी मैंने अपनी बीवी को सुनाई तो उसने मुझे तलाक दे दिया, और अब कोई मुझसे शादी करने को तैयार नहीं.

उस ज्योतिषी का नाम क्या है?

पाखंडीदास.

उसको तो मैं जानता हूं. उसने कभी ज्योतिष विद्या नहीं पढ़ी. वह मनगढ़ंत बातें बनाकर लोगों को ठगता है.

मैं उसे अभी देखता हूं.

आओ, आओ! पांच रुपए रखो और अपनी किस्मत का हाल जान लो.

यह लो.

तुम्हारे सितारे गर्दिश में हैं. कुछ ही देर में भारी मुसीबत आने वाली है.

तभी.

ओह, चोट!

वह भविष्यवक्ता तुमने मेरे लिए की थी या अपने लिए? अब दबे रहो यहीं. तुम्हारी सारी भविष्यवाणियां झूठ निकलीं.

बचाओ! मैं गलती मानता हूं.

मैं सबके पैसे लौटा दूंगा. मुझे माफ कर दो.

बृहस्पति ग्रह

केप केनेडी अंतरिक्षयान केंद्र अमरीका का एक उच्च अधिकारी चाचा चौधरी से मिलने आया.

चाचाजी, हमें आपकी सख्त जरूरत है.

कुछ दिन पहले हमने एक रॉकेट अंतरिक्ष में भेजा था. जब वह अंतरिक्ष में घूम रहा था तो यकायक उसका पृथ्वी से संबंध टूट गया. उस रॉकेट का आज तक पता नहीं लग सका.

हो सकता है कि उसमें कोई खराबी आ गई हो.

नहीं ऐसा नहीं हो सकता. हम कई परीक्षणों के बाद रॉकेट को छोड़ते हैं.

तो इसमें मैं क्या कर सकता हूं.

चाचाजी, हमें आप जैसी सूझबूझ और तीक्ष्ण बुद्धिवाला आदमी चाहिए जो अंतरिक्ष से यात्रियों समेत हमारा रॉकेट वापिस ला सके. हम आपको मालामाल कर देंगे.

मुझे पैसों की नहीं, आपके फंसे हुए अंतरिक्ष यात्रियों की ज्यादा चिंता है.

धन्यवाद

केप केनेडी - अंतरिक्षयान केन्द्र.

अच्छा भाई, अलविदा!

चाचा चौधरी को लिए हुए पृथ्वी के वायुमंडल को छोड़ता हुआ राकेट अंतरिक्ष की ओर बढ़ा.
अंतरिक्ष में बृहस्पति ग्रह से आए हुए दो भाई अपने यान में.
पृथ्वी से एक और राकेट आया है.
इसे भी बंदी बना लो.
ओह! लगता है मेरा राकेट किन्हीं अज्ञात किरणों की ताकत से जकड़ा गया है.
चलो! तुम हमारे बंदी हो!
ओह! यही हैं वे अमरीकी अंतरिक्ष यात्री.
पृथ्वी का और एक आदमी इधर मौत के मुंह में आ गया है.
मैं तुम तीनों को एक साथ मौत के घाट उतार रहा हूं. तुम्हें कुछ कहना है?
हां. जब मरना ही है तो क्यों न हंसते हंसते मरें. इसलिए एक लतीफा सुन लो.
एक बार एक आदमी एक डाक्टर से दवा लेने उसके क्लीनिक गया. डाक्टर वहां नहीं था. उसने कम्पाउडर से पूछा तो जवाब मिला, "डाक्टर साहब खुद बीमार हैं, किसी दूसरे डाक्टर से दवा लेने गए हैं क्योंकि उसकी फीस कम है."
हा-हा-हा-हा-हो-हो-हो-हो-
सो, वह हंसते-हंसते ही मर गया. लगता है यह आदमी हास्यरस से अपरिचित था. ज्यादा हंसने से उसके दिमाग की नस फट गई और वह मर गया.
44

तभी दूसरा भाई आ जाता है।
तुमने मेरे भाई को मार डाला! अब मैं तुम्हें जिंदा नहीं छोड़ूंगा।
पहले एक लतीफा सुन लो. तुम्हें यह पसंद आएगा.
एक बार एक बच्चा अपने पिता से बोला, "मुझे बाजा ला दो।" पिता ने कहा, "तुम सारा दिन बाजा बजा-बजा कर मेरी नींद खराब कर दोगे." बच्चा मासूमियत से बोला, "नहीं, पापा. जब आप दोपहर को सो जाया करोगे तभी मैं उसे बजाऊंगा.
हो-हा-हा-
हा-हा-
हा-
हा-
लो, हंसते हंसते यह भी चित हो गया. यहां के सभी लोग तीव्र हंसी को बर्दाश्त नहीं कर सकते.
मैंने तो किसी तरह अपनी रस्सियां खोल लीं. तुम्हारी खोलूं अब.
और चाचा चौधरी दोनों अमरीकी यात्रियों को ले कर पृथ्वी की ओर चल दिए.
हमारा कैप्सूल प्रशांत महासागर में उतरने वाला है. आप तैयार हैं न?
जी हां.

डाक्टर राकेल

शहर में एक मशहूर डाक्टर रहता था जिसका नाम था राकेल.

क्यों भाई तुलाराम! अब क्या हाल है तुम्हारा ?

डाक्टर साहब, आपकी दवाई ने बचा लिया, वरना मैं मर ही जाता.

अब तुम सचमुच स्वस्थ हो गये हो तुलाराम! जाओ और सारी जिंदगी देश करो.

राकेल दिन में डाक्टर रहता था पर रात के बारह बजते ही उसके दिमाग में एक हलचल होती और उसके सारे शरीर में एक परिवर्तन आ जाता.

हा-हा! मेरा दवाई पीने का समय हो गया.

दवाई पीते ही उसमें एक परिवर्तन आया, उसका चेहरा बदल गया.

खून! खून. मुझे खून चाहिए. सड़क पर जरूर कोई न कोई शिकार मिल जाएगा.

वह राक्षस के रूप में आधी रात को शहर की सुनसान सड़कों पर घूमता रहा.

लगता है कोई शिकार इधर आ रहा है.

और उसे तुलाराम मिल जाता है.

र-र-राक्षस!

हा-हा! एक बार मैंने तुम्हें जीवन दिया था. अब वही ले रहा हूं.

चाचा चौधरी उधर से गुज़र रहा होता है, लाश को देख रुक जाता है.

मर गया, बेचारा!

हत्यारा अभी दूर नहीं गया होगा. ये रहे उसके पैरों के निशान. मुझे उसका पीछा करना चाहिए.

वह रहा वो! देखना चाहिए कि वह

वह उस मकान में घुस गया. वह यहीं रहता होगा. मैं अभी जाकर पुलिस ले आता हूं.

उधर डाक्टर राकेल अपने कमरे में जाकर फिर से दवाई पीता है और अपने असली रूप में आ जाता है.

आज का कत्ल बहुत मजेदार रहा.

इंस्पैक्टर साहब! यही है उस निर्दोष व्यक्ति का कातिल! गिरफ्तार कर लो इसे!

चाचा चौधरी, तुम्हारा दिमाग तो नहीं खराब हो गया? यह तो शहर के मशहूर डाक्टर राकेल हैं. मैं इन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकता. तुमने यूं ही मेरा समय बर्बाद किया.

इंस्पैक्टर! यह आदमी सचमुच पागल है. आप जाइए, मैं इंजैक्शन लगाकर अभी इसका दिमाग ठीक कर देता हूं.

ठीक है.

तुम उधर बैठो! अभी आकर मैं तुम्हें इंजैक्शन लगाता हूं.

डाक्टर को पता चल गया है कि मैं उसका भेद जान गया हूं. अब वह जरूर मुझको जान से मारने की कोशिश करेगा.

डाक्टर चाचा चौधरी को इंजैक्शन लगाता है.

तुम थोड़ी देर बाद मर जाओगे...

...क्योंकि मैंने तुम्हें जहर का इंजैक्शन लगा दिया है.

डाक्टर! मैं नहीं मरूंगा क्योंकि तुम्हारे जाते ही मैंने क्लीनिक की सारी दवाओं की जगह

शुद्ध नल का पानी भर दिया. मुझे सिर्फ पानी का ही इंजैक्शन लगा है.

यह कैसे हो सकता है?

हो सकता है डाक्टर साहब! मैं बिलकुल नहीं मरा. अब मैं चाहूंगा कि लोग यह जान जाएं कि दर्जनों लोगों का कातिल डाक्टर राकेल ही है.

हा-हा! चौधरी, तुम्हारी बात का यकीन ही कौन करेगा? तुमने देख ही लिया, पुलिस भी तुम्हारी बात नहीं मानती. सब मुझे डाक्टर राकेल ही समझते हैं नाकि हत्यारा.

ठीक है! मैं जाता हूं. मगर जब तक तुम्हें तुम्हारे गुनाहों की सजा नहीं मिल जाती मैं चैन से नहीं बैठूंगा.

अपने घर पर चाचा चौधरी.

जितने भी शहर में कत्ल हुए हैं, आधी रात को ही हुए हैं. इसमें कोई राज़ है.

ठीक है. आज मैं आधी रात को डाक्टर राकेल के घर के आस-पास ही रहूंगा.

© PRAN'S FEATURES

रात के बारह बजते हैं.

आह! दवाई पीने का समय हो गया.

दवाई पीते ही डाक्टर राकेल में परिवर्तन आता है.

खून! खून! मुझे खून चाहिए! आज चाचा चौधरी का नम्बर है.

अच्छा, तो यह रहस्य है डाक्टर का!

चाचा चौधरी जरूर अपने घर में बिस्तर पर सोया होगा. बस एक ही वार में काम तमाम हो जायगा.

चाचा चौधरी के घर पहुंचने पर.

हैं? वह तो यहां है ही नहीं!

मेरा रहस्य जानने के लिए वह जरूर मेरे क्लिनिक गया होगा. मुझे शीघ्र ही वहां पहुंचना चाहिए.

ए! इधर आओ.

हट जाओ मेरे रास्ते से! वरना धुरा घोंप दूंगा.

हैं! राक्षस!!

पिछले सारे कत्ल जरूर इसीने किए होंगे. मुझे इसका पीछा करना चाहिए.

उधर चाचा चौधरी डाक्टर रकेल के क्लिनिक में.

तो यह दवाई ही उसमें परिवर्तन लाती है और वह कत्ल करता है.

मेरा अनुमान ठीक था.

हां. अब तुम अपने को बदल नहीं सकते क्योंकि यह दवाई की शीशी मेरे पास है. अब सभी को तुम्हारे इस रूप का पता चल जाएगा.

उससे पहले ही मैं तुम्हारे टुकड़े करके तुम्हारा खून पी जाऊंगा.

तभी भीमसैनी लट्ठ का एक भरपूर हाथ.

अपने हथियार को गिरा देखकर डाक्टर सीढ़ियों की ओर भागा.

तभी ऊपरी सीढ़ी से अचानक उसका पैर फिसला और वह लुढ़कता हुआ नीचे चला आया.

ओह!

उसी समय पीछा करते हुए इंस्पेक्टर भी आ गया.

मर गया यह!

देखिए, मरने के बाद इसका चेहरा अपने असली रूप में आ गया है.

इंटरव्यू साबू का

चाचाजी, देखो! कुछ लोग इधर आ रहे हैं.

वे टेलीविजन वाले हैं, लगता है मेरा इंटरव्यू लेने आए हैं.

चल भाई साबू, खड़ा हो जा. आजकल तुम्हारी हमसे भी ज्यादा पूछ होने लगी है.

पास आने पर

हां, तो पूछिए जनाब, क्या पूछना चाहते हैं?

माफ कीजिए. इस बार इंटरव्यू आपका नहीं, साबू का लेने आए हैं.

तुम तो बहुत दूर खड़े हो. पास आओ.

अरे र! जरा देख कर!

© PRAN'S FEATURES

हाय! मेरे कैमरे का पापड़ बन गया!

कड़

कड़

माफ करना दोस्त, मैंने देखा नहीं था.

कोई बात नहीं, हमारे पास दूसरा कैमरा है.

इंटरव्यू शुरू होता है.

हां, तो मिस्टर साब! तुम कहां के रहने वाले हो,

मैं ज्यूपीटर का रहने वाला हूं. एक बार पृथ्वी पर आया तो चाची के देसी घी के बने परांठे खाने को मिले. वे मुझे इतने अच्छे लगे कि मैं यहीं का हो गया.

अ-अ-

आक-छीं!

अरे! वह कहां चला गया?

मैं यहां हूं. तुम्हारी धौंक से उड़ गया था.

किसी तरह उसे पेड़ से नीचे उतारा गया.

बड़ी मुसीबत है उसका इंटरव्यू लेना. कहीं उसे फिर धौंक आ गई तो बचना मुश्किल हो जाएगा. न न...मैं जोखिम नहीं लूंगा.

मेरा कहा मानो, चच्चा चौधरी के पास जाओ.

चाचाजी, नौकरी का सवाल है. यदि इंटरव्यू लेता हूं वह दुबला कहीं धौंक न मार दे, जान को खतरा है, नहीं लेता तो नौकरी जाती है. चाचाजी, मेरी मदद कीजिए.

ठहरो एक मिनट.

वाह! यह बढ़िया रहा.

यह लो. इसके दूसरे सिरे पर माइक्रोफोन लगा दो और दूर खड़े होकर इंटरव्यू लो.

तालाब में अंगूठी

एक दिन चाची ने सारे घर में झाड़ू लगाई.

अर्र-र-र, भागवान! हम जहां भी बैठते हैं, तुम वहीं धूल उड़ाना शुरू कर देती हो.

क्या झाड़ू न लगाऊं? तुम लोगों ने सारा दिन मूंगफली खा-खाकर छिलके घर में बिखेर दिए हैं. झाड़ू न लगाऊं तो घर म्यूनिसिपैलिटी का कूड़ादान लगे.

अरी भागवान, इतना गर्म क्यों होती हो?

चाचा-चौधरी और साबू बाहर घूमने निकल जाते हैं.

चल भाई साबू, कहीं बाहर चलें. चाची तुम्हारी आज काफी गरम हैं. कहीं यह एटम बम हमारे ऊपर ही न फट पड़े.

© PRAN'S FEATURES

ऊँ ऊँऽऽ!!
आँ-ँ-ँऽ
अरे! यह किसके रोने की आवाज है?
देवीजी, आप रो क्यों रही हैं?
ऊँ-आँऽ ऊँ
सुबह मैं इस तालाब में नहा रही थी कि मेरी उंगली से बहुमूल्य अंगूठी पानी में गिर गई. उसमें लगे हीरे ही पचास हजार के थे.
रोने की क्या बात है? वे गोताखोर तुम्हारी अंगूठी ढूंढने में लगे हुए हैं.
देवीजी, अंगूठी नहीं मिली. सारा दिन बीत गया, अब और कोशिश करना बेकार है.
लो, सुन लिया. अब बताओ मैं रोऊं न तो क्या करूं? यदि अंगूठी न मिली तो मैं रो रोकर अपनी जान दे दूंगी.
ठहरो एक मिनट तुम्हारी अंगूठी अभी मिल जाती है.

साबू, जल्दी से तालाब का सारा पानी पी जाओ.

अभी लो.

जय बजरंग बली!

और साबू ने इतना पानी पिया कि तालाब ही सूख गया.

वाह! कितना मीठा पानी था.

अहा! वह रही मेरी अंगूठी!

धन्यवाद, चाचाजी!

धन्यवाद साबू का करो जिसने सारा तालाब सुखा कर तुम्हारी अंगूठी ढूंढ दी.

प्रोफेसर नोक झोंक

चाचा चौधरी के पास गणित के प्रोफेसर चक्रवर्ती आए.

चौधरी साहब, स्कूल में आपको गणित का विषय कैसे लगता था?

पूछो मत, प्रोफेसर. गणित का नाम सुनते ही मेरे पसीने छूट जाते थे.

हा-हा! लेकिन यह विषय मुझे बहुत अच्छा लगता है. मैंने बड़े बड़े जटिल प्रश्नों को हल किया है.

तभी दो युवक रोते हुए कमरे में आते हैं.

चाचाजी, हमारा सबकुछ लुट गया.

क्या हुआ?

गणित के एक धूर्त विद्वान प्रोफेसर नोक झोंक ने हमें झांसा देकर हमारी सारी जायदाद हड़प ली है. वह एक बहुत कठिन प्रश्न हल करने को देता है, शर्त यह है कि यदि हमने सही हल ढूंढ निकाला तो वह अपनी सब धन दौलत हमें दे देगा, नहीं तो हमारी ले लेगा.

जाइए, प्रोफेसर साहब! आप उसका प्रश्न हल करिए और इन बेचारों को जायदाद वापस दिलवाइये.

अवश्य

चौधरी साहब, आप भी मेरे साथ चले आइए और देखिए मैं उसके कैसे छक्के छुड़ाता हूँ!
अच्छी बात है.
प्रोफेसर नोक झोंक ...
हम तुम्हारे प्रश्न को हल करने आए हैं.
ठीक है.
लेकिन तुम्हें मेरी शर्त पता है?
पता है.
यह रहा प्रश्न. इसका सही उत्तर अंत में नीचे कोने में लिख दो.
बाप रे! इतना बड़ा प्रश्न?
मैं इसे हल नहीं कर सकता. मेरी सारी जायदाद के अब तुम मालिक हो.
हा-हा ... मुझे तो पहले ही पता था.
है कोई और सूरमा, जो इस प्रश्न का सही उत्तर लिख सके?
मैं हूँ.
© PRAN'S FEATURES
तो आओ. लेकिन याद रखना, तुम्हारे साथ भी वही शर्त रहेगी जो दूसरों के साथ थी.
मंजूर है.

इस प्रश्न का उत्तर यह है.

कमाल है. तुमने तो सचमुच सही उत्तर लिखा. लेकिन तुम्हें कैसे पता चला कि इस लंबे चौड़े प्रश्न का उत्तर शून्य है?

बचपन में स्कूल में गणित के पर्चे में मुझे हमेशा शून्य मिलता था. इसलिए मुझे यही याद रहा और मैंने लिख दिया.

ठीक है. पर अभी तुम जीते नहीं हो. अब तुम कोई प्रश्न पूछोगे और मैं जवाब दूंगा. अगर मैंने ठीक जवाब न दिया तो तुम्हारी जीत मानी जाएगी.

मेरा प्रश्न बहुत सरल और छोटा है पर तुम उत्तर नहीं दे पाओगे.

अरे तुम पूछो तो सही.

सुनो. पिछले जन्मदिन पर मेरी उम्र साठ वर्ष थी. अगले जन्मदिन पर मैं कितने वर्ष का हो जाऊंगा.

हा-हा! यह तो बहुत आसान है. अगले जन्मदिन पर तुम इकसठ वर्ष के हो जाओगे.

गलत! अगले जन्मदिन पर मेरी उम्र बासठ वर्ष की होगी.

वह कैसे?

क्योंकि आज मेरा इकसठवां जन्मदिन है.

हा-हा!

Vinod Yadav